H.W.
15/5/21

①

* ताई पाठ का सारांश अपनी भाषा में लिखिए। (80-100 शब्दों में)

उ- "ताई" पाठ के लेखक हैं विश्वंभरनाथ शर्मा। इस कहानी की प्रमुख चरित्र ताई हैं। यह कहानी में यह दर्शाया गया है कि कोई भी इनसान बच्चा हो या बूढ़ा प्यार के बिना नहीं रह सकता। धीरे-धीरे कैसे ताई और मनोहर के बीच में प्यार गहरा हुआ जाता है; वह हम इस कहानी में जान पाते हैं। ऐसा जाता है कि बच्चे नन्हे-मुन्ने भगवान के स्वरूप होते हैं। बच्चों से स्नेहपूर्वक व्यवहार करने से वे भी उसी प्रकार स्नेहपूर्वक व्यवहार करते हैं।

मनोहर की ताई रामेश्वरी उसे थोड़ा भी प्यार नहीं करती थी क्योंकि वह उनका बेटा नहीं था। रामजीदास रामेश्वरी को मनोहर से प्यार करने के लिए कहते थे लेकिन वह उनकी बात कभी नहीं सुनती थी। रामेश्वरी हर वक्त मनोहर पर अपना क्रोध प्रकट करती थी। एक दिन ऐसा एक घटना घटी- मनोहर छत पर जब खेल रहा था उसका पैर मुंडेर से फिसल गया और उसकी आवाज को सुनकर तथा उसे गिरते हुए देखकर ताई रामेश्वरी के मुख से ~~निकला~~ निकला

चीख निकल पड़ी। मनोहर के निचे गिर जाने पर उसकी टाँग की हड्डी उखड़ गई थी। ताई उसे पकड़ना चाहती थी पर पकड़ नहीं पाई। इस घटना के बाद ताई को बुखार हो गया और वह प्रलाप करने लगी। जब वह ठीक हो गई उन्होंने मनोहर को पास बुलाया और बड़े प्यार से हृदय से लगाया। आँखों से खुशी के आसूं छलक गए। इस तरह से ताई रामेश्वरी का हृदय परिवर्तन हो गया।